कोर्स की मुख्य विशेषताएं (Key Features)

- **डेली आंसर राइटिंग प्रैक्टिस (3 Questions/Day):** हर दिन 3 प्रश्नों का अभ्यास, जो स्टूडेंट्स के भीतर से उत्तर लेखन का डर खत्म करेगा और स्पीड सुधारेगा।
- **टारगेटेड डेली शेड्यूल:** 120 दिनों में 120 कक्षाओं के साथ हिन्दी साहित्य वैकल्पिक विषय का पाठ्क्रम पूर्ण कराया जायेगा।
- **इंटरव्यू-एक्सपीरियंस्ड टीम द्वारा कॉपियों का मूल्यांकन:** कॉपियों की जांच उन लोगों द्वारा की जाएगी जिन्होंने खुद यूपीएससी का इंटरव्यू दिया है। इससे स्टूडेंट्स को बिल्कुल सटीक और 'एग्जामिनर के नजरिए' वाला फीडबैक मिलेगा।
- व्याख्या (Explanation) खंड पर विशेष फोकस
- डेली टेस्ट डिस्कशन: हर टेस्ट के बाद डिस्कशन होगा, जिससे स्टूडेंट्स को समझ आएगा कि उत्तर की सही अप्रोच, भूमिका (Introduction) और निष्कर्ष (Conclusion) क्या होना चाहिए था।
- **आसान डिजिटल एक्सेस:** सभी टेस्ट डिस्कशंस niyatiias.in वेबसाइट पर आसानी से उपलब्ध रहेंगे, जिन्हें छात्र अपनी सुविधा के अनुसार कभी भी देख सकते हैं।
- **3-लेयर डाउट सपोर्ट:** किसी भी संशय को दूर करने के लिए स्टूडेंट्स के पास तीन रास्ते होंगे:
  - niyatiias.in वेबसाइट पर डाउट सबमिशन
  - ईमेल सपोर्ट: niyatiias7@gmail.com
  - डायरेक्ट कॉल सपोर्ट
- **क्रिस्प प्रिंटेड नोट्स:** हर टॉपिक के साथ उच्च गुणवत्ता वाले प्रिंटेड नोट्स दिए जाएंगे (सॉफ्ट कॉपी में), ताकि स्टूडेंट्स को अलग-अलग किताबों के चक्कर न काटने पड़ें।

कोर्स वैधता (Course Validity)

- यह हिंदी साहित्य मेंटोरशिप प्रोग्राम पूरी तरह से 'छात्र-केंद्रित (Student-Centric)' है। इसमें जुड़ने के लिए कोई एक निश्चित तारीख तय नहीं है।
- आप जब चाहें, तब से शुरुआत करें: 'आपकी 4 महीने की मेंटोरशिप अवधि उसी दिन से शुरू होगी, जिस दिन आप इस प्रोग्राम को जॉइन करेंगे'।
- **उदाहरण:** यदि आप 4 अप्रैल को एडमिशन लेते हैं, तो अगले 4महीनों तक (यानी आपकी वैलिडिटी समाप्त होने तक) आपके सभी टेस्ट पेपर्स और आंसर्स नियमित रूप से चेक किए जाएंगे और आपको पर्सनल गाइडेंस मिलती रहेगी।
- **नोट:** आपका व्यक्तिगत 4 महीने का चक्र आपके जुड़ने की तिथि (Date of Joining) से ही गिना जाएगा।

For any further information visit niyatiias.in

☎ 9015448903, 7011560250

हिंदी साहित्य 120 दिनों तक प्रतिदिन उत्तर लेखन प्रोग्राम		
दिन (Days	**टॉपिक (Topics)**	**अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)**
1, 2, 3, 4	**हिंदी कहानी**	**दिन 1** 1. कृष्णा सोबती की कहानियों के आधार पर उनकी कथा-भाषा पर संक्षिप्त लेख लिखिए। (2013) 2. अकहानी आंदोलन के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए। (2013) 3. 'साठोत्तरी हिंदी कहानी' पर टिप्पणी करें।। (2014) **दिन 2** 1. नई कहानी आंदोलन की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए। (2016) 2. कृष्णा सोबती की कहानियों में कथ्य का वैविध्य पर टिप्पणी करें। कीजिए। (2017) 3. प्रेमचन्द की कहानियों का मूल स्तर। (2018) **दिन 3** 1. जयशंकर प्रसाद की कहानियाँ शिल्प का ताजमहल हैं। (2019) 2. कृष्णा सोबती के कहानी-लेखन में स्त्री विमर्श। (2020) 3. हिन्दी नई कहानी की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए। (2025 - 15 अंक) **दिन 4** 1. प्रेमचन्द की कहानियों में चित्रित आदर्शोन्मुख यथार्थवाद की व्याख्या कीजिए। (2021) 2. अज्ञेय की कहानियों की प्रमुख विशेषताएँ बताइए। (2023) 3. निर्मल वर्मा की कहानियों में व्यक्त स्मृति-पक्ष की विवेचना कीजिए। (2024)
5, 6	**प्रेमचंद की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ**	**दिन 5** 1. प्रेमचन्द की कहानी-कला की समीक्षा कीजिए। (2003) 2. प्रेमचन्द की कहानियो की मूल चिंताएँ व्यक्त कीजिए। (2004) 3. पठित उपन्यास और कहानियों के आधार पर सोदाहरण सिद्ध कीजिये कि पात्रों के चित्रण में प्रेमचन्द ने मनोविज्ञान का पर्याप्त ध्यान रखा है। (2006) **दिन 6** 1. प्रेमचन्द ने हिंदी कथा-साहित्य की कर्मभूमि ही नहीं बदली बल्कि कायाकल्प भी किया, विचार कीजिए। (2009) 2. प्रेमचंद की कहानी आधुनिक विमर्शों के स्वरूप की पड़ताल करती है। स्पष्ट कीजिए। (2013) 3. ईदगाह/पूस की रात की समीक्षा कीजिए। (2015)

For any further information visit niyatiias.in

☏ **9015448903, 7011560250**

दिन (Days)	टॉपिक (Topics)	अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)
7, 8, 9	एक दुनिया : समानांतर	**दिन 7** 1. "नन्हों" कहानी की भाषा ग्रामीण मुहावरों और शब्दों से युक्त जीवंत भाषा है।' कथन के आलोक में कहानी के भाषा-सौंदर्य को उद्घाटित कीजिए। 2. "दूध और दवा" कहानी की मूल संवेदना आदर्श और यथार्थ के द्वंद्व एवं संघर्ष से निर्मित है। इस कथन के संदर्भ में कहानी की समीक्षा कीजिए। 3. "चीफ की दावत' में नौकरशाही में व्याप्त स्वार्थ-लिप्सा के मनोविज्ञान का उद्घाटन कीजिए।। (2006) **दिन 8** 1. 'जिंदगी और जोंक' में रजुआ की जिजीविषा पर प्रकाश डालिए। 2. 'भोलाराम का जीव' के माध्यम से हरिशंकर परसाई की व्यंग्य चेतना पर प्रकाश डालिए। (2025) 3. "चीफ़ की दावत' मध्यवर्गीय अवसरवादिता और मानवीय मूल्यों के विघटन का जीवंत दस्तावेज है।" इस कथन की विवेचना कीजिए। **दिन 9** 1. 'नयी कहानी' की अवधारणा के संदर्भ में निर्मल वर्मा की कहानी 'परिंदे' की समीक्षा कीजिए। 2. 'परिन्दे' कहानी के आधार पर निर्मल वर्मा की कहानी-कला की समीक्षा कीजिए। 3. "राजेन्द्र यादव एक प्रयोगधर्मी कहानीकार हैं" इस कथन की 'टूटना' कहानी के आधार पर तर्कसंगत दृष्टि से विचार कीजिए। (2018)
10, 11	उपन्यास, हिन्दी उपन्यास का विकास	**दिन 10** 1. हिंदी के मनोवैज्ञानिक उपन्यासकार। 2. प्रेमचंद के उपन्यास लेखन में उनकी यथार्थ-दृष्टि का विकास किस रूप में हुआ है? स्पष्ट कीजिए। (2023) 3. 20वीं शताब्दी पूर्वार्द्ध के हिन्दी उपन्यासों के कथ्य के आधार पर स्वतंत्रता के दर्शन की व्याख्या कीजिए। **दिन 11** 1. जैनेन्द्र कुमार का गद्य-लेखन व्यक्ति की गुम होती पहचान को उभारकर सामने रखता है विवेचना कीजिए। (2018) 2. "प्रेमचंद के उपन्यास भारतीय कृषक जीवन के सच्चे दस्तावेज़ हैं।" इस कथन की सार्थकता पर विचार कीजिए। (2019) 3. भीष्म साहनी के उपन्यासों में निहित सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए

For any further information visit niyatiias.in
☏ 9015448903, 7011560250

<table>
<tr><th>दिन (Days)</th><th>टॉपिक (Topics)</th><th>अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)</th></tr>
<tr><td>12, 13</td><td>उपन्यास, हिन्दी उपन्यास का विकास</td><td>दिन 12
1. आंचलिक हिन्दी उपन्यास की विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।
2. हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद। (2025), (10 अंक / 150 शब्द)
3. कृष्णा सोबती के उपन्यासों की स्त्री-दृष्टि पर वर्तमान स्त्री-विमर्श के संदर्भ में विचार कीजिए। (2025) (20 अंक)
दिन 13
1. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी-उपन्यास साहित्य की विकास यात्रा का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
2. हिन्दी उपन्यासों के विकास क्रम में महिला उपन्यास लेखिकाओं की विशिष्टताओं को रेखांकित कीजिए।
3. यशपाल की विचारधारा पर एक संक्षिप्त लेख लिखिये। (2017)</td></tr>
<tr><td>14, 15</td><td>महाभोज</td><td>दिन 14
1. 'महाभोज' उपन्यास को क्या एक सशक्त राजनीतिक उपन्यास का दर्जा दिया जा सकता है? उपन्यास में चित्रित पात्रों के आधार पर समीक्षा कीजिए। (2016)
2. 'महाभोज' स्वातंत्र्योत्तर भारतीय राजनीति की विकृति के पर्दाफास का ज्वलंत दस्तावेज है। तर्क एवं उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए। (2017)
3. 'महाभोज' में समसामयिक अव्यवस्था का मात्र निदान है अथवा विधेयात्मक समाधान भी? तर्कपूर्वक समझाइये। (2018)
दिन 15
1. "महाभोज" उपन्यास राजनीति और अपराध के आपसी गठजोड़ पर करारा प्रहार करता है।" स्पष्ट कीजिए। (2025 / 15 अंक)
2. 'महाभोज' उपन्यास के नामकरण की सार्थकता पर विचार कीजिए। (2021)
3. " 'महाभोज' उपन्यास राजनीतिक विकृतियों का सच्चा दस्तावेज है।" इस कथन से आप कितने सहमत है, तर्कसंगत मीमांसा कीजिए। (2022)</td></tr>
<tr><td>16, 17</td><td>दिव्या</td><td>दिन 16
1. दिव्या में इतिहास और कल्पना का समन्वय है। स्पष्ट कीजिये
2. यशपाल की नारी-दृष्टि पर विचार करें। (2014/2017 थीम)
3. दिव्या उपन्यास के सामाजिक परिप्रेक्ष्य के बारे में बताइए।
दिन 17
1. दिव्या ऐतिहासिक नहीं ऐतिहासिक परिवेश की कथा है। विवेचना कीजिए।
2. दिव्या में यशपाल का वैचारिक हस्तक्षेप उपन्यास के रचना कौशल का अतिक्रमण करता है। इस मत का विश्लेषण कीजिए।
3. यशपाल की विचारधारा का मूल्यांकन कीजिए।</td></tr>
</table>

For any further information visit niyatiias.in

☎ 9015448903, 7011560250

दिन (Days)	टॉपिक (Topics)	अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)
18,19,20	गोदान	**दिन 18** 1. गोदान में गाँव और शहर की कथा है स्पष्ट कीजिए। (2001) 2. औपन्यासिक कला की दृष्टि से गोदान उपन्यास की समीक्षा कीजिए। (2005) 3. "क्या आपको 'गोदान' पढ़ते हुए यह लगता है कि होरी का जीवन दुःख का एक लंबा नाटक है, जिसमें सुख के भी कुछ दृश्य हैं? प्रमाण सहित उत्तर दीजिये। (2008) **दिन 19** 1. गोदान की बनावट का विवेचना कीजिए। (2009) 2. गोदान कृषक-जीवन का महाकाव्य है। अपितु समूचे युग की व्यथा कथा है। इस कथन को स्पष्ट कीजिए। (2011) 3. हिंदी उपन्यास की आधुनिकता की चर्चा गोदान से शुरू होती है। देसी आधुनिकता के कौन कौन से तत्व गोदान को आधुनिक सिद्ध करते है स्पष्ट कीजिए। (2012) **दिन 20** 1. यदि प्रेमचंद गोदान को उपन्यास के बदले नाटक के रूप में लिखते तो आपकी दृष्टि में क्या छोड़ते और क्या जोड़ते? (2014) 2. गोदान में किसान जीवन का सांस्कृतिक मूल्यांकन कीजिए। (2016) 3. 'गोदान' उपन्यास के मूल प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए। (2025 / 15 अंक)
21, 22, 23	मैला आँचल	**दिन 21** 1. आंचलिक उपन्यास की अवधारणा स्पष्ट कीजिये। इसकी शक्ति और सीमा पर टिप्पणी करें। (2009) 2. रेणु की उपन्यासों के आधार उनकी विचारधारा पर प्रकाश डालिए। (2014) 3. मैला आँचल का महत्व पर प्रकाश डालिए। (2017) **दिन 22** 1. मैला आँचल में ग्रामीण जीवन की नव्य कलात्मक परिणिति है इस कथन की समीक्षा कीजिए। (2011) 2. रेणु की आंचलिकता पर प्रकाश डालिए। 3. मैला आँचल की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए। **दिन 23** 1. मैला आँचल के प्रमुख पात्र के बारे में बताइए। 2. रेणु का कथा-साहित्य में योगदान बताइए। 3. मैला आँचल की समकालीन प्रासंगिकता की चर्चा कीजिए।

दिन (Days)	टॉपिक (Topics)	अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)
24, 25, 26, 27	**हिंदी नाटक का विकास**	**दिन 24** 1. हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए। (2004) 2. हिन्दी रंगमंच का विकास टिप्पणी करें।। (2007) 3. भारतेन्दु के नाट्य योगदान का मूल्यांकन कीजिए। **दिन 25** 1. जयशंकर प्रसाद के नाटकों की विशेषताएँ बताओ। 2. मोहन राकेश और आधुनिक हिन्दी नाटक (टिप्पणी करें।)। 3. हिन्दी नाटक की आधुनिक प्रवृत्तियाँ समझाये। **दिन 26** 1. हिन्दी रंगमंच की समस्याएँ और संभावनाएँ का विवेचना कीजिए। 2. प्रसादोत्तर नाटक का विकास बताओ। 3. यथार्थवादी हिन्दी नाटक की विशेषताएँ बताये। **दिन 27** 1. हिन्दी नाटक और भारतीय रंगमंच की विकास यात्रा का मूल्यांकन कीजिए। 2. आधुनिक हिन्दी नाटक का मूल्यांकन कीजिए। 3. हिन्दी नाट्य-साहित्य की उपलब्धियों के बारे में बताइए।
28, 29	**भारत दुर्दशा**	**दिन 28** 1. भारत दुर्दशा की राष्ट्रीय चेतना की विवेचना कीजिए। 2. भारत दुर्दशा में सामाजिक आलोचना के बारे में स्पष्ट कीजिए। 3. भारतेन्दु की नाट्य-दृष्टि के बारे में बताइए। **दिन 29** 1. "भारत दुर्दशा" अतीत गौरव की चमकदार स्मृति है; आँसू भरा वर्तमान है और भविष्य निर्माण की प्रेरणा है।"— इस कथन की समीक्षा कीजिए। (2025 / 20 अंक) 2. भारत दुर्दशा की समकालीन प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए। 3. भारतेन्दु युगीन राष्ट्रीय चेतना का मूल्यांकन कीजिए।

दिन (Days)	टॉपिक (Topics)	अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)
30, 31	**स्कंदगुप्त**	**दिन 30** 1. स्कंदगुप्त में अभिव्यक्ति राष्ट्रीय भावना पर तत्कालीन स्वाधीनता आंदोलन के प्रभावों का आकलन कीजिए। (2010) 2. स्कंदगुप्त के चरित्र का मूल्यांकन कीजिए 3. "प्रसाद के नाटक भारत के इतिहास का पुनर्निर्माण करते हैं।" 'स्कन्दगुप्त' नाटक के आधार पर इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए। (2025 / 15 अंक) **दिन 31** 1. स्कंदगुप्त का ऐतिहासिक महत्व की विवेचना कीजिए तथा उनकी नाट्यकला की विशिष्टताओं का विश्लेषण कीजिए। (2004) 2. स्कंदगुप्त की नारी-पात्र योजना के बारे में बताइए। 3. स्कंदगुप्त का नाट्य-सौंदर्य का विश्लेषण करें।
32, 33	**आषाढ़ का एक दिन**	**दिन 32** 1. आषाढ़ का एक दिन : शीर्षक की सार्थकता पर विचार करते हुए उसकी आधुनिक प्रासंगिकता की समीक्षा कीजिए। (2001) 2. कालिदास का चरित्र-विश्लेषण कीजिए। 3. आषाढ़ का एक दिन नाटक में प्रेम और सृजन का द्वंद्व है, इसके आधार रंगमंचीय संभावनाओं के बारे में बताइए। **दिन 33** 1. आषाढ़ का एक दिन की नाट्य-भाषा पर टिप्पणी करें। 2. आषाढ़ का एक दिन' नाटक के आधार पर लेखक के नारी संबंधी दृष्टिकोण पर प्रकाश डालिए। (2025 / 15 अंक) 3. मोहन राकेश की नाट्य-दृष्टि को समझाते हुए उनकी कथ्य और शिल्प पर प्रकाश डालिए।

दिन (Days)	टॉपिक (Topics)	अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)
34, 35,36	**हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, साहित्य की प्रासंगिकता के प्रतिमान व हिंदी साहित्य**	**दिन 34** 1. भक्तमाल (टिप्पणी करें।)। (2011) 2. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन में दलित विमर्श के हस्तक्षेप की समीक्षा कीजिए। (2025 / 15 अंक) 3. हिन्दी में साहित्येतिहास लेखन की परंपरा और महत्त्व (टिप्पणी करें।) (2019) **दिन 35** 1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा किया गया हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल-विभाजन कितना प्रासंगिक है? सप्रमाण उत्तर लिखिए। (2019) 2. हजारी प्रसाद द्विवेदी के साहित्य के इतिहास-लेखन की दृष्टि (टिप्पणी करें।) (2020) 3. रामचन्द्र शुक्ल के साहित्येतिहास लेखन की प्रमुख विशेषताएँ (टिप्पणी करें।) (2021) **दिन 36** 1. रामचन्द्र शुक्ल द्वारा किया गया हिन्दी साहित्य का काल-विभाजन (टिप्पणी करें।) (2022) 2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल-पूर्व हिन्दी साहित्य इतिहास का लेखन (टिप्पणी करें।) (2023) 3. आचार्य रामचंद्र शुक्ल की साहित्येतिहास-दृष्टि के प्रमुख बिन्दुओं को स्पष्ट कीजिए। (2024)
37, 38, 39, 40	**आदिकाल**	**दिन 37** 1. विद्यापति की आध्यात्मिकता पर आचार्य रामचंद्र शुक्ल की टिप्पणी की समीक्षा कीजिए। (2025 / 15 अंक) 2. सिद्ध-नाथ साहित्य का भाषिक तथा साहित्यिक अवदान। (टिप्पणी) (2018 / 10 अंक) 3. नाथ साहित्य का योगदान बताइए। **दिन 38** 1. रासो साहित्य का मूल्यांकन कीजिए। 2. चंदबरदाई का साहित्यिक महत्व बताइए। 3. विद्यापति की गंगा-भक्ति | (2024 / 10 अंक) **दिन 39** 1. विद्यापति की काव्यगत विशेषताएँ के बारे में बताइए। 2. खुसरो के साहित्य में प्रयुक्त हिन्दी की विशेषताएँ लिखिए। (2025 / 15 अंक) 3. आदिकाल की उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ। **दिन 40** 1. सिद्ध साहित्य का परवर्ती हिन्दी साहित्य पर प्रभाव। (2025 / 10 अंक) 2. हेमचंद्र की कविता। (2025 / 10 अंक) 3. आदिकाल की समकालीन प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए।

दिन (Days)	टॉपिक (Topics)	अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)
41, 42, 43, 44, 45, 46	**भक्तिकाल का उद्भव, संत काव्याधारा व कबीरदास**	**दिन 41** 1. कबीर की लोकोन्मुखता। (2025 / 10 अंक) 2. कबीर ग्रन्थावली' के आधार पर कबीर के आध्यात्मिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डालिए। (2025 / 20 अंक) 3. 'भक्ति' कविता में अभिव्यक्त भारतबोध को स्पष्ट करते हुए भाषाई और सांस्कृतिक समन्वय के चिन्हों को रेखांकित कीजिए। (2024 / 20 अंक) **दिन 42** 1. हिंदी साहित्य के भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय दीजिये। 2. हिंदी सगुण और निर्गुण भक्ति के साम्य और वैषम्य पर प्रकाश डालते हुए उसके स्रोतों पर विचार कीजिए। (2003) 3. कबीर के सामाजिक चिंतन की आधुनिकता (टिप्पणी करें।) (2005) **दिन 43** 1. कबीर का दर्शन | (टिप्पणी) (2004) 2. कबीर की कविता 'अस्वीकार' के साथ-साथ स्वीकार की भी कविता है। इस कथन के संदर्भ में कबीर काव्य का विश्लेषण कीजिए। (2017 / 20 अंक) 3. अष्टछाप (टिप्पणी करें।)। **दिन 44** 1. समकालीन चिंतकों की दृष्टि में कबीर का साहित्य। (टिप्पणी) (2020 / 10 अंक) 2. कबीर की भक्ति। (टिप्पणी) (2005) 3. भक्तिकाल के पुनर्मूल्यांकन की आवश्यकता। टिप्पणी करें। (2006) **दिन 45** 1. अष्टछाप के कवियों का संक्षिप्त परिचय देते हुए, उदाहरण सहित सिद्ध कीजिये कि कृष्णभक्ति काव्य की समस्त विशेषताएँ उनमें निहित हैं। (2013) 2. भक्ति आंदोलन के उदय की चर्चा करते हुए सगुण भक्त कवियों के योगदान का मूल्यांकन कीजिये। (2014) 3. 'भक्तिकाव्य स्वर्णकाल है।' स्पष्ट कीजिए। (2015)
		दिन 46 1. नीरस निर्गुण में कबीर ने 'ढाई आखर' जोड़ने की पहल किससे प्रेरित होकर की और क्यों? अपने कथन की पुष्टि कीजिए। (2018 / 20 अंक) 2. तुलसी एवं कबीर के राम में क्या तात्त्विक विभेद है। तर्कसंगत उत्तर दीजिये। (2016) 3. 'कबीर वाणी के डिक्टेटर हैं'— इस अभिमत के परिप्रेक्ष्य में कबीर की भाषा पर विचार कीजिए। (2024 / 15 अंक)

For any further information visit niyatiias.in
☎ 9015448903, 7011560250

दिन (Days)	टॉपिक (Topics)	अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)
47,48	**सूफी काव्यधारा व जायसी (पद्मावत)**	**दिन 47** 1. हिन्दी सूफ़ी कवियों की लोकोन्मुखता | (टिप्पणी) (2023 / 10 अंक) 2. हिन्दी सूफ़ी काव्य का सांस्कृतिक महत्व | (टिप्पणी) (2016 / 10 अंक) 3. जायसी का रहस्यवाद | (टिप्पणी) (2001) **दिन 48** 1. "जायसी ने इतिहास और कल्पना के सुंदर समन्वय से यह अत्यंत उत्कर्ष का महाकाव्य दिया है।" इस कथन की विवेचना कीजिए। (2021 / 15 अंक) 2. "जायसी ने नागमती के वियोग-वर्णन द्वारा नारी की व्यथा-कथा को प्रस्तुत किया है।" इस कथन से आप कितने सहमत हैं, उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। (2022 / 15 अंक) 3. जायसी के 'पद्मावत' के सिंहलद्वीप खण्ड की भावभूमि स्पष्ट कीजिए। (2023 / 15 अंक)
49, 50	**कृष्णभक्ति काव्याधारा व सूरदास (भ्रमरगीतसार)**	**दिन 49** 1. कृष्णभक्त मुस्लिम कवयित्रियों की भक्ति-चेतना | (2024 / 10 अंक) 2. कृष्णभक्ति काव्यधारा के विकास में विविध संप्रदायों का योगदान | (टिप्पणी) (2018 / 10 अंक) 3. सूरदास की कविता के आधार पर उनकी लोकचेतना पर प्रकाश डालिए। (2015 / 15 अंक)। **दिन 50** 1. 'भ्रमर-गीत-सार' के दार्शनिक पक्ष की विवेचना करते हुए उसके काव्यगत महत्त्व की समीक्षा कीजिए। 2. "सूर का काव्य अप्रस्तुत विधान की खान है" इसको सप्रमाण सिद्ध कीजिए। 3. सूरदास की भक्तिभावना और काव्य कौशल का परिपाक भ्रमरगीत में किस तरह हुआ है? विश्लेषण कीजिए। (2012)

दिन (Days)	टॉपिक (Topics)	अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)
51, 52	**कृष्णभक्ति काव्याधारा व सूरदास (भ्रमरगीतसार)**	**दिन 51** 1. बताइए कि किस प्रकार सूर की काव्यकला पौराणिकता में नवीनता का संचार करके प्रसंगों को विशिष्ट और लोकग्राह्य बना देती है। 2. सोदाहरण स्पष्ट कीजिये कि सूर ने योगमार्ग को संकीर्ण, कठिन और नीरस तथा भक्तिमार्ग को विशाल, सरल और सरस क्यों कहा है? 3. सूर के काव्य में जितनी सहृदयता है उतनी वाग्विदग्धता भी। स्पष्ट कीजिए। **दिन 52** 1. भ्रमर गीत के माध्यम से सूरदास ने किस प्रकार अपनी गहन भक्ति-भावना और अप्रतिम काव्य-कला का परिचय दिया है? विवेचना कीजिए 2. "काव्य जीवन को अर्थवत्ता प्रदान करता है और काव्य की अर्थवत्ता विम्ब से निर्मित होती हैं।" इस कथन के आलोक में सूरदास के काव्य का मूल्यांकन कीजिए। 3. हिन्दी भ्रमरगीत-परंपरा में सूरदास कृत भ्रमरगीत का वैशिष्ट्य निरूपित कीजिए।
53, 54, 55, 56	**रामभक्ति काव्यधारा व तुलसीदास (रामचरितमानस व कवितावली)**	**दिन 53** 1. तुलसी का काव्य लोकमंगल की साधना है।' इस कथन की समीक्षा कीजिए। (2023 / 10 अंक) 2. तुलसीदास और केशवदास की रामभक्ति से जुड़ी कविताओं में पृथकता के कारण। (टिप्पणी) (2016 / 10 अंक) 3. तुलसी के काव्य पर विभिन्न भारतीय दर्शनों के प्रभाव का विवेचन कीजिए। (2011) **दिन 54** 1. सुन्दरकाण्ड के आधार पर गोस्वामी तुलसीदास के काव्य का सोदाहरण विवेचना कीजिए। (2001) 2. रामचरितमानस' के सुन्दरकाण्ड तथा 'कवितावली' के उत्तरकांड के आधार पर तुलसीदास की भक्तिभावना के स्वरूप को विशद रूप से निरूपित कीजिए। (2006) 3. क्या कवितावली के उत्तरकाण्ड में तत्कालीन समाज के यथार्थ का भरा-पूरा चित्र मिलता है? सोदाहरण उत्तर दीजिये। (2008) **दिन 55** 1. तुलसीदास के प्रबंध कौशल के वैशिष्ट्य का मूल्यांकन कीजिए। (2010) 2. जायसी कृत 'पद्मावत' और तुलसीकृत 'रामचरितमानस' की काव्य-भाषा का तुलनात्मक आकलन कीजिए। (2011) 3. तुलसी और जायसी की काव्य-भाषा और संवेदनात्मक गहनता का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।

दिन (Days)	टॉपिक (Topics)	अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)
		दिन 56 1. क्या समकालीन आलोचना तुलसीदास के काव्य की प्रगतिशीलता को अनदेखा कर रही है? उदाहरणों से पुष्ट, युक्तियुक्त उत्तर दीजिये। 2. 'सुन्दर' शब्द पर विचार करते हुए 'सुंदरकांड' के वस्तु-शिल्प-सौन्दर्य की विवेचना कीजिए। (2018) 3. गोस्वामी तुलसीदास रचित 'कवितावली' के उत्तराखंड के आधार पर उनकी भक्ति भावना का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। (2024 / 20 अंक)
57, 58, 59, 60	**रीतिकाल एवं कवि बिहारीलाल**	**दिन 57** 1. रीतिकालीन कवियों की श्रृंगार चेतना के गार्हस्थ-बोध का सोदाहरण विवेचन कीजिए। (2024 / 15 अंक) 2. घनानंद की 'भाषा-प्रवीणता' को स्पष्ट कीजिए। (2023 / 15 अंक) 3. रीतिबद्ध काव्यधारा में केशवदास के कवि-मर्म का मूल्यांकन कीजिए। (2021 / 20 अंक) **दिन 58** 1. "सतसैया के दोहरे, ज्यों नाविक के तीर। देखन में छोटन लगे, घाव करे गंभीर।" — इस दोहे के आलोक में बिहारी की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (2001) 2. बिहारी के विरह वर्णन की मार्मिकता पर प्रकाश डालिए। (2024 / 15 अंक) 3. "बिहारी की कविता श्रृंगारी है पर प्रेम की उच्च भूमि पर नहीं पहुँच पाती।" इस कथन की सार्थकता पर प्रकाश डालिए। (2023 / 20 अंक) **दिन 59** 1. "जो कोई रस-रीति को समुझै चाहै सार। पढ़ै बिहारी-सतसई कविता को सिंगार।" — इस उक्ति के आधार पर बिहारी की 'रस-रीति' की विवेचना कीजिए। (2011) 2. बिहारी की कविता के साक्ष्य से ये बताइए कि कवि की धर्म और दर्शन के क्षेत्रों में पैठ थी। (2014 / 15 अंक) 3. बिहारी के दोहों में नीति, भक्ति, श्रृंगार की त्रिवेणी प्रवाहित है। स्पष्ट कीजिए। (2015 / 15 अंक) **दिन 60** 1. बिहारी के सूक्ष्म सौंदर्य दृष्टि का निरूपण कीजिए। (2019 / 15 अंक) 2. रीतिकाल में कविवर बिहारी की अपनी अलग पहचान है। तर्क युक्त उत्तर दीजिए। (2009) 3. बिहारी के काव्य में कल्पना की समाहार शक्ति के साथ भाषा की समाज-शक्ति का कितना सामंजस्य मिलता है। प्रमाण सहित उत्तर दीजिए। (2008)

दिन (Days)	टॉपिक (Topics)	अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)
61, 62, 63,64,65	भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, भारत-भारती (मैथिलीशरण गुप्त)	**दिन 61** 1. भारतेन्दु की राष्ट्रीय चेतना (टिप्पणी) (2014/10 अंक) 2. 'हिंदी प्रदीप' के माध्यम से बालकृष्ण भट्ट का हिंदी पत्रकारिता को प्रदत्त योगदान (टिप्पणी) (2015/10 अंक) 3. हिंदी गद्य के विकास में बालकृष्ण भट्ट का योगदान (टिप्पणी) (2016/ 10 अंक) **दिन 62** 1. 'ब्राह्मण' पत्र के माध्यम से प्रतापनारायण मिश्र का हिदी-पत्रकारिता को प्रदत्त योगदान (टिप्पणी) (2017/10 अंक) 2. "भारतीय नवजागरण हिन्दी गद्य के विकास की आधार-भूमि है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए। (2020/15 अंक) 3. 'हिन्दी नवजागरण' की उपलब्धियों और सीमाओं पर विचार कीजिए। (2025/ 15 अंक) **दिन 63** 1. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य पर गाँधी-दर्शन के प्रभाव की दिशा (टिप्पणी करें। करें।) (2016) 2. भारतीय साहित्य की उपेक्षिता नारी को अपना अधिकार दिलाकर मैथिलीशरण गुप्त ने नारी-विमर्श को एक नवीन दिशा, है। कैसे? समझाकर लिखिए। (2018/15 अंक) 3. आज के संदर्भ में 'भारत भारती' का विवेचना कहाँ तक संगत प्रतीत होता है? विवेचना कीजिए। (2012) **दिन 64** 1. नवजागरण के मूलभूत तत्वों की अभिव्यक्ति 'भारत-भारती' में किस प्रकार हुई है? समीक्षा कीजिए। (2004) 2. मैथिलीशरण गुप्त की आधुनिक हिंदी कविता के विकास में जो भूमिका है उसे स्पष्ट कीजिए। (2015) 3. स्वतंत्रता संग्राम के व्यापक परिप्रेक्ष्य में मैथिलीशण गुप्त की 'भारत-भारती' की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए। (2016)
		दिन 65 1. 'भारत-भारती' की राष्ट्रीय चेतना हिंदू जातीयता पर अवलंबित है।" इस कथन के संदर्भ में अपना मत सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए। 2. क्या आप समझते हैं कि 'भारत-भारती' में व्यक्त कवि के कतिपय विचार पुराने पड़ गए हैं और उनसे सहमत होना कठिन है। इस संदर्भ में 'भारत-भारती' की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए। (2014) 3. "भारत-भारती' में वर्तमान की त्रासदीपूर्ण स्थिति, वैभवपूर्ण भव्य विरासत एवं उन्नत भविष्य की कामना करते हुए राष्ट्रीयता का स्वर मुखरित हुआ है।" इसे उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए। (2023)

For any further information visit niyatiias.in
☎ 9015448903, 7011560250

दिन (Days)	टॉपिक (Topics)	अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)
66, 67, 68	छायावाद	**दिन 66** 1. छायावाद और भक्तिकाव्य (टिप्पणी) (2009) 2. छायावादी साहित्य में क्या भारतीय नवजागरण की अभिव्यक्ति हुई है? हुई है तो कैसे ? (2010) 3. निराला की काव्य चेतना (टिप्पणी) (2011) **दिन 67** 1. छायावाद और रहस्यवाद पर टिप्पणी करें। 2. प्रसाद की काव्य-दृष्टि के बारे में बताइए और उनकी सौंदर्य चेतना पर टिप्पणी करें। 3. 'जयशंकर प्रसाद और उनकी कामायनी' विषय पर एक नातिदीर्घ समीक्षात्मक आलेख प्रस्तुत कीजिए। (2016)
		दिन 68 1. निराला की काव्य-दृष्टि का उल्लेख कीजिए। 2. महादेवी वर्मा की वेदना पर लेख लिखिए। 3. 'रामचरितमानस' के बाद 'कामायनी' एक ऐसा प्रबंध काव्य है जो मुनष्य के संपूर्ण प्रश्नों का अपने ढंग से कोई न कोई संपूर्ण उत्तर देता है। विचार कीजिए। (2015/15 अंक)
69, 70	कामायनी (जयशंकर प्रसाद)	**दिन 69** 1. 'कामायनी' को 'चेतना का सुंदर इतिहास' और 'अखिल मानव-भावों का सत्य' शोधक काव्य क्यों कहा गया है? अपने विचार प्रस्तुत कीजिए। (2018/15 अंक) 2. कामायनी' विषम परिस्थितियों में जीवन के सृजन का महाकाव्य है।" स्पष्ट कीजिए ।(2019/15 अंक) 3. 'प्रसाद मूलतः प्रेम और सौन्दर्य के कवि हैं।' इस कथन के आधार पर 'कामायनी' में अभिव्यक्त प्रेम एवं सौन्दर्य का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।(2020/15 अंक) **दिन 70** 1. 'कामायनी' का गौरव उसके युगबोध, परिपुष्ट चिंतन, महत् उद्देश्य और प्रौढ़ शिल्प में निहित है।" इस कथन की विवेचना कीजिए ।(2021/20) 2. जयशंकर प्रसाद रचित 'कामायनी' के महाकाव्यत्व का विश्लेषण कीजिए । (2023/20 अंक) 3. "कामायनी आधुनिक सभ्यता का प्रतिनिधि महाकाव्य है" स्पष्ट कीजिए। (2025/ 20 अंक)

दिन (Days)	टॉपिक (Topics)	अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)
71, 72, 73	राम की शक्तिपूजा, कुकुरमुत्ता (निराला)	**दिन 71** 1. इस बात पर विचार कीजिए कि 'राम की शक्तिपूजा' की संरचना में एक पराजित और दूसरे अपराजित मन की अस्तित्वानुभूति के साथ-साथ 'तुलसीदास' और 'सरोज स्मृति' का सार सन्निहित है। (2013) 2. सोदाहरण विवेचित कीजिए कि 'राम की शक्तिपूजा' के बाद निराला की रचनाओं में आकांक्षा पूर्ति के स्वप्न क्रमशः कम होते गए हैं। (2014/ 20 अंक) 3. 'राम की शक्तिपूजा' का आज के समय में नया पाठ क्या हो सकता है, स्पष्ट कीजिए। (2015/20 अंक) **दिन 72** 1. 'राम की शक्तिपूजा' में निराला के आत्मसंघर्ष की भी व्यथा-कथा है। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (2019/15 अंक) 2. 'राम की शक्तिपूजा' एक पराजित मन और दूसरे अपराजित मन के अस्तित्व की अनुभूति है। इस कथन की व्याख्या करते हुए निराला के काव्य का मूल्यांकन कीजिए । (2020/ 15 अंक) 3. 'निराला' रचित 'राम की शक्ति पूजा' के शिल्प-विधान की समीक्षा कीजिए । (2024/ 20 अंक) **दिन 73** 1. भाव, भाषा एवं विचार की दृष्टि से निराला की 'कुकुरमुत्ता' कविता का मूल्यांकन कीजिए । (2022/ 20 अंक) 2. 'कुकुरमुत्ता' की प्रगतिशील चेतना की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए । (2023/ 15 अंक) 3. 'कुकुरमुत्ता' कविता के मूल प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए। (2025/ 15 अंक)
74, 75, 76	उत्तर छायावाद, कुरुक्षेत्र (रामधारी सिंह दिनकर)	**दिन 74** 1. युद्ध की विभीषिका को दिनकर ने अपने काव्य 'कुरुक्षेत्र' में किस प्रकार रेखांकित किया है? समीक्षा कीजिए। (2016/ 15 अंक) 2. "दिनकर की रचना 'कुरुक्षेत्र' के सृजन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रयोजन 'शिवेतरक्षतये' भी है।" अपने मत को सोदाहरण एवं तर्कसहित प्रस्तुत कीजिए। (2017/20 अंक) 3. "कुरुक्षेत्र' में प्रबुद्ध उद्विग्न मानस का जो द्वन्द्व चित्रित हुआ है, उससे उसकी प्रबंधात्मकता भी प्रभावित हुई है।" पक्षापक्ष विमर्श कीजिए। (2018/ 20 अंक) **दिन 75** 1. "कुरुक्षेत्र' एक साधारण मनुष्य का शंकाकुल हृदय है, जो मस्तिष्क के स्तर पर चढ़कर बोल रहा है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए। (2020/ 20 अंक) 2. 'दिनकर' युगचेता कवि हैं।" "कुरुक्षेत्र' से उदाहरण देते हुए इस कथन की सत्यता प्रमाणित कीजिए। (2021/ 15 अंक) 3. "दिनकर ने 'कुरुक्षेत्र' में युधिष्ठिर और भीष्म के माध्यम से अपने ही मानसिक अंतर्द्वंद्वों को अभिव्यक्त किया है।" कथन का तर्कपूर्ण विवेचन कीजिए । (2022/ 15 अंक)

दिन (Days)	टॉपिक (Topics)	अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)
		दिन 76 1. "युद्ध की समस्या मनुष्य की सारी समस्याओं की जड़ है।" इस कथन के आलोक में दिनकर के 'कुरुक्षेत्र' का मूल्यांकन कीजिए । (2023/ 15 अंक) 2. 'कुरुक्षेत्र' के आधार पर 'दिनकर' की युग चेतना पर प्रकाश डालिए। (2024/ 15 अंक) 3. "युद्ध की समस्या मनुष्य की सारी समस्याओं की जड़ है" दिनकर के 'कुरुक्षेत्र' काव्य के आधार पर इस कथन की सार्थकता पर प्रकाश डालिए । (2025/ 15 अंक)
77, 78, 79	**प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता**	**दिन 77** 1. अज्ञेय की काव्य-भाषा पर एक संक्षिप्त लेख लिखिये। (2014/ 15 अंक) 2. नागार्जुन की काव्य-भाषा पर एक संक्षिप्त निबंध लिखिए। (2015/ 15 अंक) 3. "तारसप्तक' का प्रकाशन हिंदी कविता में एक ऐतिहासिक मोड़ था।" इस कथन का तर्कसंगत उत्तर दीजिए। (2017/ 15 अंक) **दिन 78** 1. नागार्जुन की कविताओं में भारतीय समाज की विसंगतियों और विडंबनाओं को यथार्थ रूप में उकेरा गया है। स्पष्ट कीजिए। (2019/ 15) 2. मुक्तिबोध की काव्य-संवेदना की प्रमुख विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए । (2021/ 15 अंक) 3. 'अज्ञेय' के काव्य की प्रमुख विशेषताओं का निरूपण कीजिए । (2022/ 20 अंक) **दिन 79** 1. "नागार्जुन जनवादी कवि हैं" इस कथन की तर्कसंगत व्याख्या कीजिए ।(2022/ 20 अंक) 2. प्रयोगवादी कविता की भाषा (टिप्पणी) (2024/10 अंक) 3. साठोत्तरी हिन्दी कविता में लयात्मकता के हास के कारण-परिणाम का सोदाहरण विवेचन कीजिए। (2024/15 अंक)

दिन (Days)	टॉपिक (Topics)	अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)
80, 81	ब्रह्मराक्षस (गजानन माधव मुक्तिबोध)	**दिन 80** 1. "मुक्तिबोध रचित 'ब्रह्मराक्षस' की उपलब्धि है भयानक अंगीरस, तिलस्मी 'वस्तु' और आवेग कल्पना-संवेदना का संगम।" इस कथन की समीक्षा कीजिए। (2018/ 15 अंक) 2. 'ब्रह्मराक्षस के मिथकीय प्रयोग' की व्याख्या करते हुए मध्यवर्गीय जीवन की त्रासदी पर प्रकाश डालिये। (2019/ 20 अंक) 3. 'मुक्तिबोध अपनी कविता में एक सच्चा-खरा और संघर्षशील संसार रचते हैं।' इस कथन की समीक्षा कीजिए। (2020/ 15 अंक) **दिन 81** 1. मुक्तिबोध की कविता 'ब्रह्मराक्षस' में अंतःस्यूत फैन्टेसी को व्याख्यायित कीजिए। (2021 /15 अंक) 2. 'ब्रह्मराक्षस' अस्तित्ववादी मान्यताओं और खंडित व्यक्तित्व का प्रतीक है। इस कथन के आलोक में 'ब्रह्मराक्षस' कविता की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए। (2022/ 15 अंक) 3. 'ब्रह्मराक्षस' कविता की प्रतीक योजना पर प्रकाश डालिए। (2025/ 15 अंक)
82, 83	असाध्य वीणा (अज्ञेय)	**दिन 82** 1. "अज्ञेय ने 'असाध्यवीणा' कविता में अनेक मिथकों के माध्यम से अभीष्ट एवं सार्थक बिंबों का सृजन किया हैं।" अज्ञेय की काव्य कला के संदर्भ में विचार कीजिए। (2017/15 अंक) 2. 'असाध्य वीणा' के किरीटी तरु में जो ध्वनियाँ समाहित हुईं और वीणा वादन के बीच जो ध्वनियाँ झंकृत हुईं उनके साम्य वैषम्य पर विचार प्रस्तुत कीजिए। (2018/15 अंक) 3. अज्ञेय द्वारा रचित कविता 'असाध्य वीणा' की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए। (2021/20 अंक) **दिन 83** 1. 'असाध्य वीणा' कविता का मूल स्रोत क्या है? कवि ने कविता-सृजन की प्रक्रिया को किन स्तरों पर प्रस्तुत किया है? (2022/ 15 अंक) 2. "असाध्य वीणा' में अज्ञेय के कवि-कर्म का क्रमिक विकास विभिन्न स्तर पर अभिव्यक्त हुआ है।" सम्यक् विवेचन कीजिए। (2023/ 15 अंक) 3. असाध्य वीणा' के परिप्रेक्ष्य में 'अज्ञेय' के काव्यगत वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए। (2024/ 15 अंक)

दिन (Days)	टॉपिक (Topics)	अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)
84, 85, 86	अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा है, हरिजन गाथा (नागार्जुन)	**दिन 84** 1. बाबा नागार्जुन नये काव्य में किन अर्थों में महत्त्वपूर्ण हैं, स्पष्ट कीजिए। (2015/ 15 अंक) 2. नागार्जुन की लोक-दृष्टि के आधारभूत तत्त्व कौन-कौन से हैं? समीक्षा कीजिए। (2016/15 अंक) 3. "नागार्जुन अकाल को प्राकृतिक अभिशाप के रूप में कम, मानवीय अभिशाप के रूप में ज्यादा देखते हैं।" इस कथन के आलोक में नागार्जुन के काव्य की समीक्षा कीजिए। (2017/ 15 अंक)
		दिन 85 1. 'अकाल के बाद' कविता की मूल संवेदना को सोदाहरण विवेचित कीजिए । (2019/ 15 अंक) 2. नागार्जुन की कविता में प्रकृति वर्णन का विवेचन कीजिए । (2020/ 15 अंक) 3. 'हरिजन गाथा' कविता की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए। (2021/ 15 अंक)
		दिन 86 1. 'हरिजन गाथा' कविता के आधार पर नागार्जुन की जनवादी दृष्टि की मीमांसा कीजिए। (2022/ 15 अंक) 2. नागार्जुन के काव्य-वैविध्य पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। (2024/ 15 अंक) 3. नागार्जुन रचित 'अकाल और उसके बाद' की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए। (2024/ 15 अंक)
87, 88, 89, 90	हिन्दी भाषा का परिचय, मानक हिन्दी की व्याकरणिक संरचना	**दिन 87** 1. मानक हिन्दी की कारक व्यवस्था का सोदाहरण विवेचना कीजिए। (2015/ 15 अंक) 2. हिन्दी व्याकरण- लेखन की परंपरा में कामता प्रसाद गुरु के कार्य की समीक्षा कीजिए। (2016/ 15 अंक) 3. मानक हिन्दी के सर्वनामों का सोदाहरण विवेचन कीजिए। (2016/ 15 अंक)
		दिन 88 1. मानक हिन्दी की व्याकरणिक संरचना के स्वरूप पर चर्चा कीजिए। (2018/ 15 अंक) 2. मानक हिन्दी को व्यावहारिक बनाने के लिए जिन व्याकरणिक नियमों को संशोधित किया गया है, उससे पढ़ने और लिखने में विसंगतियाँ आ रही हैं। उदाहरण देकर समझाइए। (2019/ 20 अंक) 3. मानक हिन्दी की व्याकरणिक विशेषताएँ बताइए । (2020 /20 अंक)

दिन (Days)	टॉपिक (Topics)	अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)
		दिन 89 1. मानक हिन्दी की व्याकरणिक सरंचना को स्पष्ट कीजिए । (2021/ 15 अंक) 2. मानक हिन्दी की व्याकरणिक संरचना की प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं? किस सीमा तक इसे संस्कृत की व्याकरणिक संरचना पर आधारित कहा जा सकता है? (2025/ 20 अंक) 3. कामता प्रसाद गुरु की वैयाकरण के रूप में की गई स्थापनाओं का मूल्यांकन कीजिए। (2014/ 15 अंक)
		दिन 90 1. मानक हिन्दी का विवेचन निम्नलिखित दृष्टियों से कीजिए : (क) ध्वनि-संरचना (ख) रूप-संरचना (ग) वाक्य-संरचना । 2. मानक हिन्दी की व्याकरणिक विशेषताओं का परिचय दीजिए। 3. हिन्दी व्याकरण के संदर्भ में किशोरीदास वाजपेयी के योगदान का आकलन कीजिए।
91, 92, 93, 94	**हिंदी भाषा की विकास-यात्रा, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, अवहट्ट, प्रारंभिक हिंदी**	**दिन 91** 1. आरंभिक हिन्दी की प्रमुख विशेषताओं का परिचय दीजिए। 2. अपभ्रंश की व्याकरणिक विशेषताएँ (टिप्पणी) 3. आरंभिक हिन्दी के विकास में अपभ्रंश की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।
		दिन 92 1. आरंभिक हिन्दी की व्याकरणिक विशेषताएँ (टिप्पणी) (2019/ 10 अंक) 2. अपभ्रंश और प्रारम्भिक हिन्दी के व्याकरणिक स्वरूप में प्रमुख अंतर (टिप्पणी) (2020/ 10 अंक) 3. अवहट्ट की व्याकरणिक सरंचना का स्वरूप (टिप्पणी) (2021/ 10 अंक)
		दिन 93 1. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान (टिप्पणी) 2. अवहट्ट का सामान्य परिचय दीजिए। 3. आरंभिक हिंदी की प्रमुख विशेषताएँ (टिप्पणी)
		दिन 94 1. अपभ्रंश की व्याकरणिक विशेषताएँ बताइए । (2023/ 15 अंक) 2. अपभ्रंश और अवहट्ठ का तुलनात्मक मूल्यांकन (टिप्पणी) (2024/ 10 अंक) 3. अपभ्रंश और अवहट्ट की व्याकरणिक संरचना के मुख्य अंतर (टिप्पणी) (2025/ 10 अंक)

For any further information visit niyatiias.in
☎ 9015448903, 7011560250

दिन (Days)	टॉपिक (Topics)	अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)
95, 96, 97, 98	**मध्यकाल में अवधी & ब्रजभाषा का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास**	**दिन 95** 1. मध्यकाल में साहित्यिक भाषा के रूप में ब्रज का विकास (टिप्पणी) (2015/10 अंक) 2. मध्यकाल में काव्यभाषा के रूप में प्रयुक्त अवधी की विशेषताएँ (टिप्पणी) (2016/ 10 अंक) 3. मध्यकाल में काव्य-भाषा के रूप में प्रयुक्त ब्रज की विशेषताएँ (टिप्पणी) (2017/ 10 अंक)
		दिन 96 1. संत साहित्य में अवधी का योगदान (टिप्पणी) (2018/ 10 अंक) 2. हिन्दी के विकास में अवधी के योगदान की समीक्षा कीजिए । (2019/ 15 अंक) 3. सूफ़ी कवियों द्वारा प्रयुक्त अवधी के स्वरूप पर विचार कीजिए । (2020/ 15 अंक)
		दिन 97 1. साहित्यिक भाषा के रूप में अवधी के महत्त्व का आकलन कीजिए । (2021/ 20 अंक) 2. साहित्यिक भाषा के रूप में ब्रज के विकास में मध्यकालीन कृष्ण-भक्त कवियों के योगदान पर प्रकाश डालिए । (2023/ 20 अंक) 3. अवधी भाषा की अखिल भारतीय लोकप्रियता के कारणों का विवेचन कीजिए। (2024/ 20 अंक)
		दिन 98 1. मध्यकाल में अवधी और ब्रजभाषा का साहित्यिक अंतर्सम्बन्ध (टिप्पणी) (2025/10 अंक) 2. ब्रजभाषा के विकास में सूर-पूर्व कवियों के योगदान पर टिप्पणी कीजिए। (2025/ 15 अंक) 3. जायसी और तुलसीदास द्वारा प्रयुक्त अवधी के रूपों में मुख्य अंतरों की सोदाहरण विवेचना कीजिए। (2025/15 अंक)
99	**खड़ी बोली**	**दिन 99** 1. उन्नीसवीं शताब्दी में खड़ीबोली के विकास पर प्रकाश डालिए । 2. 'आधुनिक काल में काव्य-भाषा के रूप में खड़ी बोली का विकास ब्रज के स्थान पर क्यों हुआ' इस कथन की तर्कपूर्ण व्याख्या कीजिए । 3. 19 वीं सदी में खड़ी बोली को साहित्यिक भाषा के रूप में प्रतिष्ठित करने के दौरान प्रमुख चुनौतियों पर प्रकाश डालिए ।

दिन (Days)	टॉपिक (Topics)	अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)
100	**खड़ी बोली**	**दिन 100** 1. हिन्दी-उर्दू भाषाई संबंध के समावेशी बिन्दुओं का विश्लेषण कीजिए। 2. 18-19 वीं शताब्दी में ईसाई मिशनरियों की भाषा-नीति का मूल्यांकन कीजिए। 3. 19वीं सदी के खड़ी बोली आंदोलन के ऐतिहासिक कारकों और उपलब्धियों की विवेचना कीजिए।
101, 102, 103	**भाषा, उपभाषा, काव्यभाषा तथा बोली**	**दिन 101** 1. दक्खिनी हिन्दी की प्रमुख विशेषताओं का निरूपण कीजिए। 2. पहाड़ी हिन्दी की प्रमुख बोलियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 3. अवधी की व्याकरणिक विशेषताओं का निरूपण कीजिए। **दिन 102** 1. पूर्वी हिन्दी व पश्चिमी हिन्दी के प्रमुख अंतर (टिप्पणी) 2. राजस्थानी वर्ग की प्रमुख बोलियों की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए। 3. खड़ी बोली हिन्दी की व्याकरणिक विशेषताएँ (टिप्पणी) **दिन 103** 1. आल्हा गायन की भाषा (टिप्पणी) 2. भाषा और बोली के कृत्रिम विभाजन के संदर्भ में हिन्दी के भाषाई सातत्य के चिह्नों का निरूपण कीजिए। 3. भाषा और बोली में अंतर (टिप्पणी)
104, 105, 106	**राजभाषा, राष्ट्रभाषा एवं संपर्क भाषा**	**दिन 104** 1 भारतेन्दु मंडल की भाषा-दृष्टि के संदर्भ में राष्ट्रभाषा हिन्दी की विकास-यात्रा के चरणों को रेखांकित कीजिए। 2. राष्ट्रीय भाषा के रूप में हिन्दी के सामने उपस्थित वर्तमानकालीन चुनौतियों पर प्रकाश डालिए। 3. स्वाधीनता आंदोलन ने जनभाषा के रूप में हिन्दी के विकास को किस तरह प्रभावित किया? **दिन 105** 1. स्वातंत्र्योत्तर भारत में हिन्दी के विकास में आने वाली चुनौतियाँ (टिप्पणी) (2022/10 अंक) 2. स्वाधीन भारत में हिंदी-प्रयोग के नवीन आयाम पर प्रकाश डालिए। (2023/ 15 अंक) 3. राजभाषा हिन्दी विषयक कंप्यूटर साधित कार्यक्रमों का परिचय दीजिए। (2024/ 15 अंक)

For any further information visit niyatiias.in
☏ 9015448903, 7011560250

दिन (Days)	टॉपिक (Topics)	अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)
		दिन 106 1. स्वाधीनता आंदोलन के दौरान हिन्दी के प्रचार-प्रसार में अहिंदी भाषी व्यक्तित्वों के योगदान की चर्चा कीजिए। (2020/ 20 अंक) 2. स्वातंत्र्योत्तर भारत की संवादी भाषा के रूप में हिन्दी के प्रयोग की चुनौतियाँ क्या हैं? स्पष्ट कीजिए। (2020/15 अंक) 3. "'हिन्दुस्तानी' एक कृत्रिम भाषा थी" इस कथन की तर्कपूर्ण व्याख्या कीजिए। (2021/ 15 अंक)
107, 108, 109	**हिंदी भाषा व देवनागरी लिपि का मानकीकरण**	**दिन 107** 1. खड़ी बोली हिन्दी के विकास की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए: उसके मानकीकरण पर प्रकाश डालिए। 2. हिन्दी का मानकीकरण (टिप्पणी) 3. हिन्दी भाषा के स्वरूप-निर्धारण में निम्नलिखित साहित्यकारों के योगदान पर प्रकाश डालिए :(क) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ख) महावीर प्रसाद द्विवेदी **दिन 108** 1. हिन्दी की रूपात्मक त्रुटियाँ (टिप्पणी) 2. हिंदी भाषा का मानक स्वरूप (टिप्पणी) 3. हिन्दी के स्वरूप-निर्धारण में भारतेन्दु युग का योगदान (टिप्पणी) **दिन 109** 1. हिंदी भाषा के मानकीकरण में द्विवेदी-युग का योगदान (टिप्पणी) 4. हिन्दी का तत्सम संदर्भित मानकीकरण (टिप्पणी) 5. हिन्दी भाषा के मानकीकरण की वर्तमान चुनौतियाँ (टिप्पणी)
110, 111, 112	**हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक एवं तकनीकी विकास, भाषा खंड से संबंधित कुछ अन्य विषय**	**दिन 110** 1. पारिभाषिक शब्दावली से आप क्या समझते हैं? हिन्दी में पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के इतिहास का उदाहरण सहित मूल्यांकन कीजिए। 2. आज हिन्दी को वैज्ञानिक और तकनीकी लेखन के क्षेत्र में विशेष महत्त्व मिला है। इसके कारणों पर प्रकाश डालिए। 3. तकनीक की भाषा के रूप में हिन्दी का विकास (टिप्पणी) **दिन 111** 1. ज्ञान-विज्ञान की हिन्दी के विकास में पारिभाषिक शब्दावली क्यों आवश्यक है ? समझाइए। 2. हिन्दी में पारिभाषिक शब्दावली निर्माण में आने वाली कठिनाइयों का परिचय दीजिए। 3. हिन्दी में पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण की वर्तमान दशा पर प्रकाश डालिए।

दिन (Days)	टॉपिक (Topics)	अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)
		दिन 112 1. तकनीक की भाषा के रूप में हिन्दी के सामने आने वाली चुनौतियों का वर्णन कीजिए। 2. विज्ञान और तकनीक की भाषा के रूप में हिन्दी का विकास (टिप्पणी) 3. हिन्दी के मशीनी अनुवाद की प्रविधि और प्रक्रिया का विवेचन कीजिए।
113, 114, 115	**हिंदी आलोचना**	**दिन 113** 1. डॉ. नगेन्द्र का हिन्दी आलोचना में योगदान (टिप्पणी) 2. रामचन्द्र शुक्ल की आलोचना-दृष्टि पर स्वाधीनता आंदोलन के प्रभाव की चर्चा कीजिए। 3. हिन्दी की व्यावहारिक आलोचना का विवेचन कीजिए। **दिन 114** 1. रामविलास शर्मा के आलोचना-कर्म के महत्त्व पर प्रकाश डालिए। 2. हिन्दी की प्रगतिवादी समीक्षा (टिप्पणी) 3. हजारी प्रसाद द्विवेदी का हिन्दी आलोचना में योगदान (टिप्पणी) **दिन 115** 1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की सैद्धांतिक आलोचना। (टिप्पणी) 2. रामविलास शर्मा की आलोचना-दृष्टि का सांस्कृतिक पक्ष (टिप्पणी) 3. प्रगतिवादी आलोचना को वर्तमान समय में किस प्रकार की चुनौतियाँ मिल रही है? सोदाहरण विवेचना कीजिए।
116	**हिंदी निबंध का विकास**	**दिन 116** 1. हिन्दी में ललित निबंध साहित्य की विकास-यात्रा को समझाते हुए विवेकी राय का योगदान स्पष्ट कीजिए। (2024/ 15 अंक) 2. कुबेरनाथ राय के ललित निबंधों के सांस्कृतिक पक्ष पर विचार कीजिए। (2020/ 20 अंक) 3. 'ललित निबंधकार' के रूप में हजारी प्रसाद द्विवेदी की निबंध-कला का विवेचन कीजिए। (2017/ 20 अंक)
117, 118	**चिंतामणि**	**दिन 117** 1. 'कविता क्या है' निबंध के आधार पर कविता के संबंध में निबंधकार के विचारों का विवेचन कीजिए। (2020/ 20 अंक) 2. "रामचन्द्र शुक्ल के निबंधों में बुद्धितत्त्व और हृदय की अनुभूति का सुंदर समन्वय हुआ है।" इस कथन की विवेचना कीजिए। (2021/ 15 अंक) 3. 'कविता क्या है' निबंध के आधार पर आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के काव्य विषयक विचार प्रस्तुत कीजिए। (2022/ 20 अंक)

For any further information visit niyatiias.in

☎ **9015448903, 7011560250**

दिन (Days)	टॉपिक (Topics)	अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)
		दिन 118 1. 'श्रद्धा-भक्ति' निबंध के आधार पर प्रेम, श्रद्धा एवं भक्ति का अंतःसंबंध स्पष्ट कीजिए। (2023/ 15 अंक) 2. श्रद्धा और भक्ति निबंध के आधार पर रामचन्द्र शुक्ल की गद्य-शैली की समीक्षा कीजिए। (2024/ 15 अंक) 3. "कविता क्या है' निबंध काव्य के सर्वांगपूर्ण विवेचन की दृष्टि से अद्वितीय बन पड़ा है" इस कथन की सत्यता पर प्रकाश डालिए। (2025/ 20 अंक)
119	**निबंध-निलय**	**दिन 119** 1. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी द्वारा रचित निबंध 'कुटज' का तात्त्विक विवेचन कीजिए। (2020/ 15 अंक) 2. 'साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है' निबंध की तात्विक समीक्षा कीजिए। (2021/ 15 अंक) 3. 'तुलसी साहित्य के सामंत विरोधी मूल्य', निबन्ध के आधार पर डॉ. रामविलास शर्मा की तुलसी-विषयक मान्यताओं की समीक्षा कीजिए। (2025/ 20 अंक)
120	**अन्य गद्य विधाएँ**	**दिन 120** 1. रेखाचित्र और संस्मरण का अंतर स्पष्ट करते हुए बनारसीदास चतुर्वेदी के संस्मरण साहित्य का परिचय दीजिए। (2024/ 15 अंक) 2. संस्मरण साहित्य के विकास पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। (2021/ 15 अंक) 3. महादेवी वर्मा के रेखाचित्रों के महत्त्व का आकलन कीजिए। (2021/ 15 अंक)

Note:-

1. किसी खास दिन जो टॉपिक दिया गया है उससे संबंधित अभ्यास प्रश्न और PYQs करते चलें।
2. इसके साथ ही, व्याख्या (Explanation) वाले भाग पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। प्रोग्राम के दौरान आपको बताया जाएगा कि व्याख्या को किस तरह से अप्रोच करना चाहिए।
3. आपके पास जो भी नोट्स है, अपने नोट्स पढ़िए।

For any further information visit niyatiias.in

☎ 9015448903, 7011560250